प्रश्नकोश

1. **मानव समाज विलक्षण है, क्योंकि वह मुख्यतया आश्रित होता है–**

(a) संस्कृति पर (b) अर्थव्यवस्था पर
(c) धर्म पर (d) विज्ञान पर

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(b)

मानव समाज विलक्षण या विशिष्ट होता है, क्योंकि वह मुख्यतः अर्थव्यवस्था पर आश्रित होता है। अर्थव्यवस्था में जैसे-जैसे परिवर्तन होता जाता है वैसे-वैसे समाज परिवर्तित होता जाता है, जैसे– खाद्य संग्राहक, कृषि उत्पादन, उद्योग आदि। अर्थव्यवस्था में जैसे-जैसे परिवर्तन होता गया, सामाजिक व्यवस्था उसी अनुरूप में बदलती गई। संस्कृति, धर्म, विज्ञान आदि अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों में परिवर्तन के अनुसार ही परिवर्तित होते रहते हैं।

2. **हड़प्पा निम्नलिखित में से किस सभ्यता से संबद्ध है?**

(a) सुमेरियन सभ्यता (b) सिंधु घाटी सभ्यता
(c) वैदिक सभ्यता (d) मेसोपोटामिया सभ्यता

M.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(b)

हड़प्पा नामक पुरास्थल सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित है। सिंधु सभ्यता के प्रथम स्थल के नाम पर सैंधव सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है। कालानुक्रम की दृष्टि से यह सभ्यता मिस्र एवं मेसोपोटामिया की प्राचीन सभ्यताओं के समकालिक थी।

3. **सिंधु सभ्यता संबंधित है–**

(a) प्रागैतिहासिक युग से (b) आद्य-ऐतिहासिक युग से
(c) ऐतिहासिक युग से (d) उत्तर-ऐतिहासिक युग से

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

39th B.P.S.C. (Pre) 1994

उत्तर–(b)

सैंधव सभ्यता आद्य-ऐतिहासिक काल की सभ्यता है, क्योंकि यहां पर लेखन कला का ज्ञान तो है, किंतु अभी तक इसे पढ़ा नहीं जा सका है। अतः इतिहास निर्माण में इसका प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

4. **सिंधु घाटी की सभ्यता गैर-आर्य थी, क्योंकि–**

(a) वह नगरीय सभ्यता थी।
(b) उसकी अपनी लिपि थी।
(c) उसकी खेतिहर अर्थव्यवस्था थी।
(d) उसका विस्तार नर्मदा घाटी तक था।

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

सिंधु घाटी की सभ्यता गैर-आर्य मुख्य रूप से इसलिए थी, क्योंकि वह नगरीय सभ्यता थी, जबकि आर्य सभ्यता ग्रामीण थी।

5. सिंधु घाटी सभ्यता को आर्यों से पूर्व की रखे जाने का महत्वपूर्ण कारक है–

(a) लिपि (b) नगर नियोजन

(c) तांबा (d) मृद्भांड

U.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(d)

सिंधु घाटी सभ्यता लिपि ज्ञान और नगर नियोजन आदि के संदर्भ में आर्यों से अधिक विकसित थी। पुरातात्विक साक्ष्यों में अलग-अलग काल में पाए गए मृद्भांड ही सिंधु घाटी सभ्यता को आर्यों से पूर्व का सिद्ध करते हैं। काले रंग की आकृतियों से चित्रित लाल मृद्भांड जहां हड़प्पा सभ्यता से संबंधित हैं, वहीं धूसर एवं चित्रित धूसर मृद्भांड (जो बाद के हैं) आर्यों से संबंधित माने गए हैं।

6. सिंधु घाटी संस्कृति वैदिक सभ्यता से भिन्न थी, क्योंकि–

(a) इसके पास विकसित शहरी जीवन की सुविधाएं थीं।

(b) इसके पास चित्रलेखीय लिपि थी।

(c) इसके पास लोहे और रक्षा शस्त्रों के ज्ञान का अभाव था।

(d) उपर्युक्त सभी।

U.P.P.C.S.(Spl.) (Mains) 2004

उत्तर–(d)

सिंधु घाटी संस्कृति वैदिक सभ्यता से अनेक बातों में भिन्न थी। सिंधु घाटी सभ्यता नगरीय थी, जबकि वैदिक सभ्यता ग्रामीण थी। सिंधु सभ्यता की लिपि भावचित्रात्मक थी। वैदिक सभ्यता के लोग लोहे तथा रक्षा शस्त्रों के ज्ञान से युक्त थे, जबकि सिंधु घाटी की सभ्यता में लोहे के ज्ञान का अभाव था।

7. हड़प्पा संस्कृति की जानकारी का प्रमुख स्रोत है–

(a) शिलालेख (b) पकी मिट्टी की मुहरों पर अंकित लेख

(c) पुरातात्विक खुदाई (d) उपर्युक्त सभी

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

U.P.P.C.S. (Pre) 1994

उत्तर–(c)

हड़प्पा सभ्यता की लिपि का वाचन अभी नहीं हो सका है, अतः सभ्यता से संबद्ध अनेक पुरास्थलों से प्राप्त पुरावशेष ही हड़प्पा संस्कृति के विशिष्ट तत्वों पर प्रकाश डालते हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा सिंधु घाटी की सभ्यता पर प्रकाश डालता है?

(a) शिलालेख (b) पुरातत्व संबंधी खुदाई

(c) बर्तनों की मुहरों पर लिखावट (d) धार्मिक ग्रंथ

U.P.P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. सिंधु घाटी के निवासियों की सभ्यता को जानने का मूल स्रोत है, वहां पाई गई–

(a) मोहरें (b) बर्तन, जेवर, हथियार तथा औजार

(c) मंदिर (d) लिपि

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

सैंधव सभ्यता से संबद्ध विभिन्न पुरास्थलों की खुदाई के फलस्वरूप वहां से प्राप्त 3000 से अधिक मोहरें इस सभ्यता के विषय में जानकारी के सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन हैं। मुहरों पर अंकित चित्रों के माध्यम से सैंधव सभ्यता के विभिन्न कार्यकलापों एवं विश्वासों पर प्रकाश पड़ता है।

10. हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(a) एम. रफीक मुगल – हड़प्पा सभ्यता ने मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली

(b) ई. जे.एच. मैके – सुमेर से लोगों का पलायन

(c) मार्टीमर ह्वीलर – पश्चिमी एशिया से 'सभ्यता के विचार' का प्रवसन

(d) अमलानंद घोष – हड़प्पा सभ्यता का उद्भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ

R.A.S./ R.T.S. (Pre) (Re-Exam) 2013

उत्तर–(a)

हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति के संदर्भ में अनेक विद्वानों ने अलग-अलग मत प्रस्तुत किए हैं। ई. जे. एच. मैके का मानना है कि हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति सुमेर (मेसोपोटामिया) से लोगों के प्रवसन के कारण हुआ। इन्हीं के समरूप प्रवसन के सिद्धांत के इतिहासविद् डी.एच. गार्डन तथा मार्टीमर ह्वीलर का मानना है कि हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति पश्चिमी एशिया से सभ्यता के विचार के प्रवसन के कारण हुई। इस संदर्भ में अमलानंद घोष का विचार है कि हड़प्पा सभ्यता का उद्भव पूर्व हड़प्पा सभ्यता की परिपक्वता के परिणामस्वरूप हुआ। स्टुअर्ट पिग्गट, फेयर सर्विस, जॉर्ज एफ. डेल्स तथा रफीक मुगल आदि विद्वान स्थानीय उत्पत्ति के सिद्धांत को मान्यता देते हैं। एम. रफीक मुगल का मानना है कि हड़प्पा सभ्यता का विकास रावी नदी क्षेत्र में हड़प्पा में हुआ। इन्होंने इस पुरानी मान्यता का खंडन किया है कि हड़प्पा सभ्यता ने मेसोपोटामिया सभ्यता से प्रेरणा ली।

Scanned with OKEN Scanner

11. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची I	सूची II
A. हड़प्पा	1. एन.जी. मजूमदार (1936-37)
B. हस्तिनापुर	2. जॉन मार्शल (1913-34)
C. तक्षशिला	3. दयाराम साहनी (1923-24 तथा 1924-25)
D. कौशाम्बी	4. बी.बी. लाल (1950-52)

कूट :

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	1	3	4	2
(c)	3	4	2	1
(d)	4	1	3	2

U.P. R.O/A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर—(c)

सूची I का सूची II से सही सुमेलन है-

सूची I	सूची II
हड़प्पा	दयाराम साहनी (1923-24 तथा 1924-25)
हस्तिनापुर	बी.बी. लाल (1950-52)
तक्षशिला	जॉन मार्शल (1913-34)
कौशाम्बी	एन.जी. मजूमदार (1936-37)

12. भारत में चांदी की उपलब्धता के प्राचीनतम साक्ष्य मिलते हैं—

(a) हड़प्पा संस्कृति में

(b) पश्चिमी भारत की ताम्रपाषाण संस्कृति में

(c) वैदिक संहिताओं में

(d) चांदी के आहत सिक्कों में

I.A.S. (Pre) 1994

उत्तर—(a)

हड़प्पावासियों को चांदी की जानकारी थी। मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के निवासियों के मध्य इसके विधिवत प्रयोग के साक्ष्य मिलते हैं। ये लोग मुख्यत: राजस्थान की जावर और अजमेर की खानों से चांदी प्राप्त करते थे।

13. हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था?

(a) लाल (b) नीला-हरा

(c) पांडु (d) नीला

40th B.P.S.C. (Pre) 1995

उत्तर—(a)

प्रारंभिक हड़प्पा सभ्यता में पैर से चालित चाक का प्रयोग किया जाता था। सभ्यता की परिपक्व अवस्था में हाथ से चालित चाकों का प्रयोग किया जाने लगा। डिजाइन के आधार पर इन बर्तनों की दो श्रेणियां थीं—एक तो बिना डिजाइन वाले मृदभांड की तथा दूसरे चित्रित मृद्भांड की। मृद्भांडों को बनाने वाली मिट्टी में रेत का मिश्रण किया जाता था, जिनको पकाने पर यह हल्के भूरे-लाल रंग का रूप ग्रहण कर लेती थीं। इन मृद्भांडों के ऊपरी हिस्सों में लाल रंग की पुताई कर दी जाती थी तथा निचले हिस्से में काले रंग से विभिन्न प्रकार की चित्रकारी की जाती थी।

14. मूर्ति पूजा का आरंभ कब से माना जाता है?

(a) पूर्व आर्य (Pre Aryan) (b) उत्तर वैदिक काल

(c) मौर्य काल (d) कुषाण काल

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर—(a)

मूर्ति पूजा का प्रारंभ पूर्व आर्य काल से माना जाता है। सैंधव सभ्यता में मूर्ति पूजा प्रचलित थी, इसके उदाहरण अनेक सैंधव पुरास्थलों से प्राप्त मातृ देवी की मृण्मूर्तियां तथा मुहरों पर प्राप्त चित्र हैं।

15. निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा संस्कृति में पाई मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण (Representation) नहीं हुआ था?

(a) गाय (b) हाथी

(c) गैंडा (d) बाघ

I.A.S. (Pre) 2001

उत्तर—(a)

हड़प्पा संस्कृति की मुहरों एवं टेराकोटा कलाकृतियों में गाय का चित्रण नहीं मिलता है, जबकि हाथी, गैंडा, बाघ, हिरण, भेड़ा आदि के अंकन मिलते हैं। गाय को महत्व वैदिक काल में प्राप्त हुआ।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा स्थल नहीं है?

(a) चन्हूदड़ो (b) कोटदीजी

(c) सोहगौरा (d) देसलपुर

I.A.S. (Pre) 2019

उत्तर—(c)

सोहगौरा उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में राप्ती नदी के किनारे स्थित एक गांव है। यहां से मौर्यकालीन ताम्रपत्र अभिलेख मिला है, जिसमें यहां अन्नागार होने का विवरण मिलता है। चन्हूदड़ो, कोटदीजी और देसलपुर तीनों हड़प्पा सभ्यता से जुड़े नगर थे। चन्हूदड़ो और कोटदीजी वर्तमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तथा देसलपुर गुजरात राज्य के कच्छ में स्थित है।

Scanned with OKEN Scanner

17. सूची-I (प्राचीन स्थल) को सूची-II (पुरातत्वीय खोज) के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (प्राचीन स्थल)	सूची-II (पुरातत्वीय खोज)
A. लोथल	1. जुता हुआ खेत
B. कालीबंगा	2. गोदीबाड़ा
C. धौलावीरा	3. पक्की मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति
D. बनावली	4. हड़प्पन लिपि के बड़े आकार के दस चिह्नों वाला एक शिलालेख

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	4	3
(d)	2	1	3	4

I.A.S. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

प्रश्नगत हड़प्पा सभ्यता के स्थलों में से खम्भात की खाड़ी के निकट स्थित लोथल से गोदीबाड़ा के साक्ष्य मिले हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्गर नदी के किनारे स्थित कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। गुजरात के धौलावीरा से हड़प्पा लिपि के बड़े आकार के 10 चिह्नों वाला एक शिलालेख मिला है। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित बनावली से पकी मिट्टी की बनी हुई हल की प्रतिकृति मिली है।

18. एक जुते हुए खेत की खोज की गई थी–

(a) मोहनजोदड़ो में (b) कालीबंगा में
(c) हड़प्पा में (d) लोथल में

U.P.P.C.S. (Mains) 2005

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्न में से किस हड़प्पन नगर में जुते हुए खेतों के निशान मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) मोहनजोदड़ो (d) लोथल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C. (Pre) 2020

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची - I	सूची -II
A. हड़प्पा	1. शवाधान R - 37
B. लोथल	2. गोदी
C. कालीबंगा	3. नर्तकी की मूर्ति
D. मोहनजोदड़ो	4. जुता हुआ खेत

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	1	2	4	3

U.P.P.C.S. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

सही सुमेलन है–

हड़प्पा	शवाधान R-37
लोथल	गोदी
कालीबंगा	जुता हुआ खेत
मोहनजोदड़ो	नर्तकी की मूर्ति

21. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए।

सूची-I	सूची-II
A. हड़प्पा	1. गोदावरी
B. हस्तिनापुर	2. रावी
C. नागार्जुन कोंडा	3. गंगा
D. पैठन	4. कृष्णा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	1	2

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर–(b)

हड़प्पा- रावी, हस्तिनापुर- गंगा, नागार्जुन कोंडा- कृष्णा तथा पैठन- गोदावरी नदी से संबंधित स्थल हैं।

Scanned with OKEN Scanner

22. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (हड़प्पा संस्कृति की बस्ती)	सूची-II (नदी जिस पर अवस्थित है)
A. हड़प्पा	1. भोगवा
B. कालीबंगा	2. घग्गर
C. लोथल	3.रावी
D. रोपड़	4. सतलज

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	3	4	1	2
(c)	4	2	3	1
(d)	1	3	2	4

U.P.U.D.A./L.D.A. (Mains) 2010

उत्तर–(a)

सही सुमेलन निम्न प्रकार होगा–

बस्ती		नदी
हड़प्पा	-	रावी
कालीबंगा	-	घग्गर
लोथल	-	भोगवा
रोपड़	-	सतलज

23. हड़प्पा किस नदी के किनारे अवस्थित है?

(a) व्यास (b) सतलज

(c) रावी (d) घग्गर

Jharkhand P.C.S. (Mains) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. सैंधव सभ्यता का महान स्नानागार कहां से प्राप्त हुआ है?

(a) मोहनजोदड़ो (b) हड़प्पा

(c) लोथल (d) कालीबंगा

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(a)

सैंधव सभ्यता के महान स्नानागार के साक्ष्य मोहनजोदड़ो से प्राप्त हुए हैं। इसकी लंबाई उत्तर से दक्षिण की ओर 55 मीटर और चौड़ाई पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर 33 मीटर है।

25. 'विशाल स्नानागार' किस पुरातत्व स्थल से पाया गया था?

(a) रोपड़ (b) हड़प्पा

(c) मोहनजोदड़ो (d) कालीबंगा

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. सिंधु घाटी की सभ्यता के किस पुरास्थल से नाव के चित्र या मॉडल प्राप्त हुए हैं?

(a) हड़प्पा एवं कोटदीजी

(b) कालीबंगा और रोपड़

(c) धौलावीरा एवं भगत्राव

(d) मोहनजोदड़ो एवं लोथल

U.P.P.C.S. (Pre) 2022

उत्तर–(d)

मोहनजोदड़ो तथा लोथल से नाव के चित्र युक्त मुहरें प्राप्त हुई हैं।

27. सिंधु सभ्यता के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी।

(b) व्यापार और वाणिज्य उन्नत दशा में था।

(c) मातृदेवी की उपासना की जाती थी।

(d) लोग लोहे से परिचित थे।

U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(d)

सैंधव सभ्यता कांस्ययुगीन सभ्यता थी तथा यहां के लोग लोहे से परिचित नहीं थे, जबकि सैंधव नगरों में नालियों की सुदृढ़ व्यवस्था थी और व्यापार एवं वाणिज्य उन्नत दशा में था। मातृदेवी की उपासना के अनेक साक्ष्य सैंधव नगरों से मिलते हैं, जिससे प्रमाणित होता है कि मातृदेवी की उपासना की जाती रही होगी।

28. सिंधु घाटी सभ्यता जानी जाती है–

(1) अपने नगर नियोजन के लिए

(2) मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के लिए

(3) अपने कृषि संबंधी कार्य के लिए एवं

(4) अपने उद्योगों के लिए

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3

(c) 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2003

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषता नगर नियोजन को माना जाता है। साथ ही हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता के दो प्रमुख नगर थे। हड़प्पा नामक पुरास्थल सर्वप्रथम ज्ञात होने के कारण इसको 'हड़प्पा सभ्यता' के नाम से भी जाना जाता है। कालीबंगा से कृषि संबंधी साक्ष्य तथा अनेक सैंधव स्थलों से ईंट के भट्ठे, मनका निर्माण के कारखाने आदि उद्योग संबंधी साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार सभी चारों कथन सही हैं।

29. निम्नांकित में किसका सुमेल नहीं है?

(a) आलमगीरपुर – उत्तर प्रदेश
(b) लोथल – गुजरात
(c) कालीबंगा – हरियाणा
(d) रोपड़ – पंजाब

U.P.P.C.S. (Pre) 1996

उत्तर–(c)

कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित है। कालीबंगा की खोज इटली के लुइगी पिओ तेस्सीटोरी ने की; जबकि हडप्पा स्थल के रूप में पहचान अमलानंद घोष ने की थी। अन्य तीनों विकल्प सुमेलित हैं।

30. निम्न में से सिंधु सभ्यता से संबंधित कौन-से केंद्र उत्तर प्रदेश में स्थित हैं? नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

I. कालीबंगा **II. लोथल**
III. आलमगीरपुर **IV. हुलास**

कूट :

(a) I, II, III, IV (b) I, II
(c) II, III (d) III, IV

U.P.P.C.S. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

कालीबंगा राजस्थान में तथा लोथल गुजरात में स्थित है। आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में तथा हुलास सहारनपुर जिले में स्थित है। अत: स्पष्ट है कि इसका अभीष्ट उत्तर विकल्प (d) है।

31. निम्नलिखित में से कौन-सा हड़प्पाकालीन स्थल गुजरात में है?

(a) लोथल (b) डाबरकोट
(c) कालीबंगा (d) राखीगढ़ी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th B.P.S.C. (Pre) 2022

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. हड़प्पा संस्कृति के स्थल एवं उनकी स्थिति संबंधी निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) आलमगीरपुर-उत्तर प्रदेश (b) बनावली-हरियाणा
(c) दैमाबाद-महाराष्ट्र (d) राखीगढ़ी-राजस्थान

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

उत्तर–(d)

राखीगढ़ी हरियाणा के हिसार जिले में घग्गर नदी तट पर स्थित है। अन्य युग्म सुमेलित हैं।

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

सूची-I (हड़प्पीय स्थल)	सूची-II (स्थिति)
A. मांडा	1. राजस्थान
B. दैमाबाद	2. हरियाणा
C. कालीबंगा	3. जम्मू-कश्मीर
D. राखीगढ़ी	4. महाराष्ट्र

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

विकल्प में दिए गए हड़प्पीय स्थल एवं उनकी अवस्थिति से संबंधित राज्यों का सुमेलन निम्नानुसार है–

हड़प्पीय स्थल	स्थिति
मांडा	जम्मू-कश्मीर
दैमाबाद	महाराष्ट्र
कालीबंगा	राजस्थान
राखीगढ़ी	हरियाणा

34. सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची - I (हड़प्पा पुरास्थल)	सूची - II (भारत के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)
A. बालू	1. उत्तर प्रदेश
B. मांडा	2. जम्मू एवं कश्मीर
C. पाडरी	3. हरियाणा
D. हुलास	4. गुजरात

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	2	3	4	1
(c)	2	4	3	1
(d)	3	2	4	1

U.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

सही सुमेलन इस प्रकार है -

सूची - I (हड़प्पा पुरास्थल)	सूची - II (भारत के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र)
बालू	हरियाणा
मांडा	जम्मू एवं कश्मीर
पाडरी	गुजरात
हुलास	उत्तर प्रदेश

35. हड़प्पा संस्कृति के निम्नलिखित स्थलों में कौन सिंध में अवस्थित है?

1. हड़प्पा **2. मोहनजोदड़ो**

3. चन्हूदड़ो **4. सुरकोटडा**

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर निर्दिष्ट कीजिए।

कूट :

(a) 1 एवं 2 (b) 2 एवं 3

(c) 2, 3 एवं 4 (d) 1, 2, 3 एवं 4

U.P.P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त विकल्पों में हड़प्पा पाकिस्तान के पंजाब में, मोहनजोदड़ो तथा चन्हूदड़ो दोनों सिंध प्रांत में तथा सुरकोटडा, गुजरात में स्थित है।

36. मोहनजोदड़ो निम्नलिखित में से कहां पर स्थित है?

(a) भारत के गुजरात राज्य में (b) भारत के पंजाब राज्य में

(c) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में (d) अफगानिस्तान में

M.P. P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. चन्हूदड़ो के उत्खनन का निर्देशन किया था–

(a) जे.एच. मैके ने

(b) सर जॉन मार्शल ने

(c) आइ.ई.एम. ह्वीलर ने

(d) सर आरेल स्टीन ने

U.P. Lower Sub. (Pre) 2015

उत्तर–(a)

मोहनजोदड़ो से लगभग 129 किमी. दक्षिण में स्थित चन्हूदड़ो की खोज सर्वप्रथम वर्ष 1931 में एन.जी. मजूमदार ने किया तथा वर्ष 1935-36 में मैके ने यहां उत्खनन करवाया।

38. सिंधु घाटी सभ्यता का कौन-सा स्थान अब पाकिस्तान में है?

(a) कालीबंगा (b) हड़प्पा

(c) लोथल (d) आलमगीरपुर

U.P.P.C.S. (Spl.) (Pre) 1994

उत्तर–(b)

हड़प्पा के अवशेष आधुनिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिले में स्थित हैं। यह स्थल रावी नदी के तट पर स्थित था, जबकि कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में, लोथल गुजरात प्रांत के अहमदाबाद जिले में तथा आलमगीरपुर उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में स्थित है।

39. रंगपुर जहां हड़प्पा की समकालीन सभ्यता थी, है–

(a) पंजाब में (b) पूर्वी उत्तर प्रदेश में

(c) सौराष्ट्र में (d) राजस्थान में

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

रंगपुर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है। यहां से प्राक्-हड़प्पा, हड़प्पा और उत्तर-हड़प्पाकालीन सभ्यता के साक्ष्य मिले हैं।

40. दधेरी एक परवर्ती हड़प्पीय पुरास्थल है–

(a) जम्मू का (b) पंजाब का

(c) हरियाणा का (d) उत्तर प्रदेश का

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

दधेरी (कोटला दधेरी) एक परवर्ती हड़प्पीय पुरास्थल है, जो पंजाब प्रांत के फतेहगढ़ साहिब जिले में गोविंदगढ़ के पास स्थित है।

41. सिंधु सभ्यता का कौन-सा स्थान भारत में स्थित है?

(a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो

(c) लोथल (d) इनमें से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 1995

उत्तर–(c)

सिंधु सभ्यता से संबंधित लोथल नामक पुरास्थल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नामक नदी के तट पर सरगवल गांव के समीप स्थित है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो पाकिस्तान में स्थित हैं।

42 वह हड़प्पीय नगर, जिसका प्रतिनिधित्व लोथल का पुरातत्व स्थल करता है, किस नदी पर स्थित था?

(a) नर्मदा (b) माही

(c) भोगवा (d) भीमा

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(c)

हड़प्पीय नगर लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहां की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि हड़प्पाकालीन बंदरगाह (पत्तन नगर) है।

43. हड़प्पा सभ्यता स्थल लोथल, स्थित है–

(a) गुजरात में (b) पंजाब में

Scanned with OKEN Scanner

(c) राजस्थान में (d) सिंध में

U.P.P.C.S. (Mains) 2009
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. सिंधु घाटी सभ्यता का पत्तन नगर था—

(a) हड़प्पा (b) कालीबंगा
(c) लोथल (d) मोहनजोदड़ो

U.P.P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?

(a) पक्की ईंट से बनी इमारत
(b) प्रथम असली मेहराब
(c) पूजा-स्थल
(d) कला और वास्तुकला
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63rd B.P.S.C (Pre.) 2017

उत्तर—(e)

सिंधु घाटी सभ्यता भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीनतम नगरीय सभ्यता थी। पक्की ईंटों से निर्मित इमारतें, सुनियोजित वास्तुकला, उन्नत व्यापार व वाणिज्य जैसी इस सभ्यता की प्रमुख विशेषताएं थीं। ध्यातव्य है कि मेसोपोटामिया एवं मिस्र आदि प्राचीन सभ्यताओं की भांति हड़प्पा सभ्यता में पूजा स्थलों के स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिलते हैं। इसी प्रकार भारत में प्रथम असली मेहराब का उदाहरण बलबन के मकबरे में दिखता है। अतः विकल्प (e) सही उत्तर है।

46. निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा का बंदरगाह है?

(a) सिकंदरिया (b) लोथल
(c) महास्थानगढ़ (d) नागपट्टनम

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. निम्न में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ?

(a) धौलावीरा (b) बनावली
(c) कालीबंगा (d) लोथल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

60th to 62nd B.P.S.C. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

हरियाणा के फतेहाबाद जिले में स्थित बनावली से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ है।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा सिंधु घाटी की सभ्यता से संबंधित स्थल नहीं है?

(a) कालीबंगा (b) रोपड़
(c) पाटलिपुत्र (d) लोथल

M.P.P.C.S. (Pre) 2013

उत्तर—(c)

कालीबंगा, रोपड़ तथा लोथल सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित स्थल हैं, जबकि पाटलिपुत्र सिंधु घाटी सभ्यता से संबंधित स्थल नहीं है।

49. भारत में हड़प्पा का वृहद स्थल है-

(a) राखीगढ़ी (b) धौलावीरा
(c) कालीबंगा (d) लोथल

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर—(a)

हरियाणा के हिसार जिले में अवस्थित राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है। मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और गनवेरीवाला (पाकिस्तान) तथा राखीगढ़ी एवं धौलावीरा (भारत) हड़प्पा सभ्यता के पांच वृहद स्थलों की श्रेणी में आते हैं।

50. भारत का सबसे बड़ा हड़प्पन पुरास्थल है—

(a) आलमगीरपुर (b) कालीबंगा
(c) लोथल (d) राखीगढ़ी

U.P.P.C.S. (Spl.) (Mains) 2004

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. स्थापित सिंधु घाटी सभ्यता जिन नदियों के तट पर बसी थी, वे थीं

1. सिंधु **2. चेनाब**
3. झेलम **4. गंगा**

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 1, 2 और 3
(c) 2, 3 और 4 (d) सभी चारों

U.P.P.C.S. (Pre) 2009

उत्तर—(b)

प्रश्नगत विकल्पों में सिंधु घाटी सभ्यता झेलम, सिंधु तथा चिनाब नदी के तट पर बसी थी, परंतु गंगा नदी इसमें शामिल नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner

52. **सिंधु घाटी के लोग विश्वास करते थे–**

(a) आत्मा और ब्रह्म में (b) कर्मकांड में

(c) यज्ञ प्रणाली में (d) मातृ शक्ति में

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1993

उत्तर–(*)

सिंधु सभ्यता की लिपि को अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है, इस कारण उन लोगों के धार्मिक विश्वास के बारे में निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। उत्खनन में प्राप्त स्त्री मूर्तियों की बहुलता से मातृ शक्ति की उपासना का अनुमान लगाया जाता है। पुरुष आकृतियों से शिव की पूजा अनुमानित होती है, अग्निकुंड या यज्ञ वेदिकाएं भी प्राप्त हुई हैं। मृतकों के साथ दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दफनाने से आत्मा में विश्वास का भी अनुमान लगाया जाता है। फिर भी कई विद्वान इन्हें मुख्यतः मातृ शक्ति का उपासक मानते हैं, लेकिन निश्चित तौर पर इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा सकता है।

53. **सिंधु घाटी के लोग पूजा करते थे–**

(a) पशुपति की (b) इंद्र और वरुण की

(c) ब्रह्मा की (d) विष्णु की

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(a)

सिंधु घाटी के लोग पशुपति शिव की पूजा भी करते थे। इसका प्रमाण मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक मुहर है, जिस पर योगी की आकृति बनी है।

54. **मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा की पुरातात्विक खुदाई के प्रभारी थे–**

(a) लॉर्ड मैकाले (b) सर जॉन मार्शल

(c) क्लाइव (d) कर्नल टाड

R.A.S./R.T.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक सर जॉन मार्शल के निर्देश पर वर्ष 1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा तथा वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी ने मोहनजोदड़ो की खोज की। हड़प्पा के टीले के विषय में सर्वप्रथम जानकारी चार्ल्स मेंसन ने 1826 ई. में दिया था।

55. **सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में जिन दो भारतीयों का नाम जुड़ा है, वे हैं–**

(a) राखालदास बनर्जी तथा दयाराम साहनी

(b) जॉन मार्शल तथा ईश्वरी प्रसाद

(c) आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव तथा रंगनाथ राव

(d) माधोस्वरूप वत्स तथा वी. बी. राव

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर–(a)

सिंधु घाटी सभ्यता को खोज निकालने में राखालदास बनर्जी तथा दयाराम साहनी नामक दो भारतीयों का नाम जुड़ा है।

56. **निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है?**

(a) हड़प्पा - दयाराम साहनी

(b) लोथल - एस.आर. राव

(c) सुरकोटडा - जे.पी. जोशी

(d) धौलावीरा - वी.के. थापड़

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(d)

हड़प्पा का उत्खनन दयाराम साहनी, लौथल का उत्खनन एस.आर. राव तथा सुरकोटडा का उत्खनन जे.पी. जोशी ने कराया था, जबकि धौलावीरा का उत्खनन वी.के. थापड़ ने नहीं, बल्कि आर.एस. बिष्ट ने कराया था। अतः विकल्प (d) सुमेलित नहीं है।

57. **हड़प्पा का उत्खनन करने वाला प्रथम पुरातत्वविद, जो इसके महत्व को नहीं समझ पाया था–**

(a) ए. कनिंघम (b) सर जॉन मार्शल

(c) मार्टिमर ह्वीलर (d) जॉर्ज एफ.डेल्स

U.P.P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(a)

ए. कनिंघम महोदय ने भारतीय उपमहाद्वीप के ऐतिहासिक महत्व के टीलों की खोज की थी, किंतु वह हड़प्पा के टीलों के महत्व को नहीं समझ सके थे।

58. **निम्नलिखित में से कौन हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित नहीं थे?**

(a) आर.डी. बनर्जी (b) के.एन. दीक्षित

(c) एम.एस. वत्स (d) वी.ए. स्मिथ

56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

वर्ष 1921 में दयाराम साहनी ने हड़प्पा का उत्खनन कराया। वर्ष 1926-27 से 1933-34 तक में माधोसरूप वत्स हड़प्पा के उत्खनन से संबंधित रहे। मोहनजोदड़ो की खोज सर्वप्रथम वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी ने की तथा इसके पुरातात्विक महत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया। इनके अतिरिक्त कुछ अन्य विद्वानों के.एन. दीक्षित, अर्नेस्ट मैके, आरेल स्टीन, ए. घोष, जे.पी. जोशी आदि ने भी इस सभ्यता की खोज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अतः स्पष्ट है कि वी.ए. स्मिथ हड़प्पा सभ्यता की खोज से संबंधित नहीं रहे, बल्कि ये एक आयरिश इंडोलॉजिस्ट एवं इतिहासकार के रूप में प्रसिद्ध थे।

Scanned with OKEN Scanner

59. सिंधु सभ्यता की विकसित अवस्था में निम्नलिखित में से किस स्थल से घरों में कुओं के अवशेष मिले हैं?

(a) हड़प्पा (b) कालीबंगा
(c) लोथल (d) मोहनजोदड़ो

U.P.P.C.S. (Pre) 2004

उत्तर–(*)

जय नारायण पाण्डेय की पुस्तक 'पुरातत्व विमर्श' के पृष्ठ संख्या 386 (2020 संस्करण) के अनुसार, सिंधु सभ्यता के अधिकांश नगरों के लगभग प्रत्येक घर में निजी कुएं एवं स्नानागार होते थे और पानी के निकास के लिए नालियों की व्यवस्था थी। रामशरण शर्मा की पुस्तक प्राचीन भारत का इतिहास के पृष्ठ संख्या 78 के अनुसार, कालीबंगा के प्रायः सभी घरों में कुएं थे।

60. भारत में निम्नलिखित के आने का सही कालानुक्रम क्या है?

1. सोने के सिक्के 2. आहत मुद्रा चांदी के सिक्के
3. लोहे का हल 4. नगर संस्कृति

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a)	3	4	1	2
(b)	3	4	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	4	3	2	1

I.A.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

भारत में सबसे प्राचीन सभ्यता 'हड़प्पा सभ्यता' अपनी नगर योजना के लिए विख्यात है। हड़प्पा सभ्यता की नगर योजना की आधार सामग्री मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, चन्हूदड़ो, कालीबंगा, लोथल, सुरकोटडा तथा बनावली से प्राप्त होती है। सिंधु घाटी की सभ्यता कांस्य कालीन है। लोहे का ज्ञान कांसे के बाद वैदिक काल के दौरान लगभग 1000 ई.पू. में हुआ। भारत में सबसे प्राचीन सिक्के आहत मुद्रा के रूप में लगभग छठी शताब्दी ई.पू. में अस्तित्व में आएं। सबसे पहले भारत में सोने के सिक्के हिंद-यवन शासकों (द्वितीय शताब्दी ई.पू.) ने जारी किए।

61. सर्वप्रथम मानव ने निम्न धातु का उपयोग किया -

(a) सोना (b) चांदी
(c) तांबा (d) लोहा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

सर्वप्रथम मानव द्वारा तांबा धातु का प्रयोग किया गया। विश्व के विभिन्न भागों में इसके प्रयोग की तिथि में पर्याप्त अंतर है।

62. हाथी दांत का पैमाना हड़प्पीय संदर्भ में मिला है–

(a) कालीबंगा में (b) लोथल में
(c) धौलावीरा में (d) बनावली में

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2014

उत्तर–(b)

हड़प्पा सभ्यता भारत की प्राचीनतम सभ्यता थी। हड़प्पायी संदर्भ में हाथी दांत का पैमाना लोथल से मिला है। यह गुजरात में स्थित है।

63. हड़प्पाकालीन स्थलों में अभी तक किस धातु की प्राप्ति नहीं हुई है?

(a) तांबा (b) स्वर्ण
(c) चांदी (d) लोहा

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहां से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चांदी आदि धातुएं तो मिली हैं, परंतु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई है। वस्तुतः हड़प्पा कालीन लोग लोहे से परिचित नहीं थे। भारत में लौह युग का प्रारंभ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है।

64. निम्न में से कौन-सा स्थल घग्गर और उसकी सहायक नदियों की घाटी में स्थित है?

(a) आलमगीरपुर (b) लोथल
(c) मोहनजोदड़ो (d) बनावली

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2010

उत्तर–(d)

हरियाणा में स्थित बनावली नामक हड़प्पायी स्थल घग्गर एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित घाटी में स्थित है।

65. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

1. मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, रोपड़ एवं कालीबंगा सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल हैं।
2. हड़प्पा के लोगों ने सड़कों तथा नालियों के जाल के साथ नियोजित शहरों का विकास किया।
3. हड़प्पा के लोगों को धातुओं के उपयोग का पता नहीं था।

कूट :

(a) 1 एवं 2 सही हैं। (b) 1 एवं 3 सही हैं।
(c) 2 एवं 3 सही हैं। (d) 1, 2 एवं 3 सही हैं।

M.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, रोपड़, लोथल एवं कालीबंगा सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल हैं। सैंधव सभ्यता में सड़कें एक-दूसरे को समकोण पर काटती (ऑक्सफोर्ड सर्कस) थीं। सड़कों के दोनों किनारों पर पक्की नालियां बनाई जाती थीं, जिन्हें बड़ी ईंटों अथवा पत्थर के टुकड़ों से ढका जाता था। इस समय सोने तथा चांदी के आभूषण बनाए जाते थे। तांबे के साथ टिन मिलाकर कांसा तैयार किया जाता था।

66. कथन (A) : मोहनजोदड़ो तथा हड़प्पा नगर अब विलुप्त हो गए हैं।
कारण (R) : वह खुदाई के दौरान प्रकट हुए थे।
उपर्युक्त के संदर्भ में निम्न में से कौन एक सही है?

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R) सही स्पष्टीकरण है (A) का।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है (A) का।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P.P.C.S. (Pre) 2009

उत्तर—(b)

मोहनजोदड़ो (वर्तमान पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के दाएं तट पर) तथा हड़प्पा [वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिले में रावी नदी के बाएं तट पर] नगर सैंधव सभ्यता के दो प्रमुख नगर थे, जिनकी खोज उत्खननों के दौरान क्रमशः राखालदास बनर्जी तथा दयाराम साहनी ने की थी। वर्तमान में ये नगर मृतप्राय स्थिति में हैं। इस प्रकार कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता। अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

67. हड़प्पन संस्कृति के संदर्भ में शैलकृत स्थापत्य के प्रमाण कहां से मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धौलावीरा
(c) कोटदीजी (d) आमरी

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर—(b)

धौलावीरा हड़प्पा सभ्यता की भारत में स्थित दूसरी सबसे बड़ी (प्रथम राखीगढ़ी) बस्ती है। यह गुजरात के कच्छ के रन में अवस्थित है। यहां से उत्खनन के परिणामस्वरूप हड़प्पा सभ्यता की अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की गईं। इन खोजों में **शैलकृत जलकुंड** (Rock-cut Reservoir) महत्वपूर्ण हैं।

68. धौलावीरा जिस राज्य में स्थित है, वह है—

(a) गुजरात (b) हरियाणा
(c) पंजाब (d) राजस्थान

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. कौन-सा हड़प्पीय (Harappan) नगर तीन भागों में विभक्त है?

(a) लोथल (b) कालीबंगा
(c) धौलावीरा (d) सुरकोटडा

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(c)

धौलावीरा नगर को तीन भागों-किला, मध्य नगर एवं निचला नगर में विभाजित किया गया था।

70. निम्नलिखित में से कौन-से स्थल में तीन नगरों के अवशेष प्राप्त हुए हैं?

(a) मोहनजोदड़ो (b) संघोल
(c) कालीबंगा (d) धौलावीरा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीन नगर अपने उन्नत जल संचयन और प्रबंधन प्रणाली के लिए सुप्रसिद्ध है, जहां बांधों की शृंखला का निर्माण किया गया था और संबद्ध जलाशयों में नहर के माध्यम से जल को प्रवाहित किया जाता था?

(a) धौलावीरा (b) कालीबंगा
(c) राखीगढ़ी (d) रोपड़

I.A.S. (Pre) 2021

उत्तर—(a)

'धौलावीरा' नामक प्रमुख हड़प्पाई पुरास्थल गुजरात राज्य के कच्छ जनपद में स्थित है। धौलावीरा नियोजित नगर का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। धौलावीरा नगर में अत्यंत नियोजित ढंग से अलग-अलग नगरीय आवासीय क्षेत्र विकसित किए गए थे, जो संभवतः विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों और एक वर्गीकृत समाज पर आधारित थे। यह प्राचीन नगर अपने उन्नत जल संचयन और प्रबंधन प्रणाली के लिए सुप्रसिद्ध है, यहां पर बांधों की शृंखलाओं का निर्माण किया गया था तथा संबद्ध जलाशयों में नहर के माध्यम से जल को प्रवाहित किया जाता था। यहां से जल संचयन प्रणालियों तथा जल निकासी प्रणालियों के साथ-साथ वास्तुशिल्प एवं तकनीकी रूप से विकसित सुविधाओं में नजर आने वाली उत्कृष्ट तकनीकी प्रगति, स्थानीय सामग्री की डिजाइन, कार्यान्वयन और प्रभावकारी उपयोग में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है।

Scanned with OKEN Scanner

72. एक उन्नत जल-प्रबंधन व्यवस्था का साक्ष्य प्राप्त हुआ है–

(a) आलमगीरपुर से
(b) धौलावीरा से
(c) कालीबंगा से
(d) लोथल से

U.P.P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. निम्नलिखित में से किस स्थल से द्वि-शव संस्कार (डबल बरिअल) का प्रमाण मिला है?

(a) कुंतासी
(b) धौलावीरा
(c) लोथल
(d) कालीबंगा

U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(*)

लोथल से सर्वाधिक तीन द्वि-शव समाधीकरण के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। कालीबंगा से भी एक युगल समाधीकरण का प्रमाण मिला है। राखीगढ़ी से भी युगल समाधि प्राप्त हुई है। यदि संख्या को आधार माना जाए, तो सही उत्तर विकल्प (c) होगा, किंतु यदि प्रमाण को आधार माना जाए, तो सही उत्तर विकल्प (c) एवं (d) दोनों होंगे।

74. हड़प्पन स्थल सनौली के अभी हाल में उत्खननों से प्राप्त हुए हैं–

(a) मानव शवाधान
(b) पशुओं के शवाधान
(c) आवासीय भवन
(d) रक्षा दीवार

U.P. Lower (Sub.) (Pre) 2004

उत्तर–(a)

उ.प्र. के बागपत जिले में बारौत तहसील के सनौली नामक हड़प्पन पुरास्थल से क्रमबद्ध रूप से 125 मानव शवाधान प्राप्त हुए हैं, जिनकी दिशा उत्तर से दक्षिण है। इन शवाधानों के साथ दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी मिली हैं, जिनमें गहने प्रमुख हैं। इनके साथ ही कुछ जानवरों की हड्डियां भी प्राप्त हुई हैं।

75. हड़प्पा सभ्यता का स्थल मांडी, भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) गुजरात
(b) हरियाणा
(c) राजस्थान
(d) उत्तर प्रदेश

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(d)

जून, 2000 में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले का एक गांव मांडी अचानक चर्चा में आ गया था। बघरा ब्लॉक में स्थित मांडी गांव में एक खेत में खुदाई के दौरान प्राचीन आभूषण, सिक्के, बर्तन आदि मिले थे। इसे हड़प्पा सभ्यता से जोड़कर देखा गया था।

76. वस्त्रों के लिए कपास की खेती का आरंभ सबसे पहले किया गया–

(a) मिस्र में
(b) मेसोपोटामिया में
(c) मध्य अमेरिका में
(d) भारत में

U.P.P.C.S. (Pre) 2006

उत्तर–(d)

वस्त्रों के लिए कपास की खेती का प्रारंभ सर्वप्रथम भारत में किया गया। वर्ष 1922 में राखालदास बनर्जी के नेतृत्व में सिंधु नदी के किनारे स्थित मोहनजोदड़ो (वर्तमान पाकिस्तान के लरकाना जिले में स्थित) उत्खनन से कपास के सूत की प्राप्ति की गई थी।

77. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लक्षण सिंधु सभ्यता के लोगों का सही चित्रण करता है/करते हैं?

1. उनके विशाल महल और मंदिर होते थे।
2. वे देवियों और देवताओं, दोनों की पूजा करते थे।
3. वे युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का प्रयोग करते थे।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही कथन/कथनों को चुनिए।

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3
(d) उपर्युक्त कथनों में से कोई भी सही नहीं है।

I.A.S. (Pre) 2013

उत्तर–(b)

वर्तमान तक सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों की खुदाई में किसी मंदिर अथवा पूजा स्थल के साक्ष्य प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः इस सभ्यता के धार्मिक जीवन का एकमात्र स्रोत यहां पाई गई मिट्टी और पत्थर की मूर्तियां एवं मुहरें हैं। इनसे यह ज्ञात होता है कि यहां मातृदेवी, पशुपति शिव तथा लिंग एवं योनि की पूजा और पीपल, नीम आदि पेड़ों एवं नाग आदि जीव-जंतुओं की उपासना प्रचलित थी। पशुओं में हाथी, बाघ, भैंसा, गैंडा और घड़ियाल के चित्र मिले हैं, लेकिन घोड़े के चित्र का अभाव है। हालांकि घोड़े की अस्थियां लोथल, सुरकोटडा एवं कालीबंगा इत्यादि स्थलों से प्राप्त हुई हैं, फिर भी घोड़े का उपयोग युद्ध के रथ को खींचने में किया जाता था, ऐसे साक्ष्य का अभाव है। अतः विकल्प (b) उचित उत्तर है।

78. सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ।

1. यह प्रमुखतः लौकिक सभ्यता थी तथा उसमें धार्मिक तत्व, यद्यपि उपस्थित था, वर्चस्वशाली नहीं था।
2. उस काल में भारत में कपास से वस्त्र बनाए जाते थे।

Scanned with OKEN Scanner

उपर्युक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

I.A.S. (Pre) 2011
M.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(c)

सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में सामान्यतः माना जाता है कि यह प्रधानतया लौकिक सभ्यता थी। इसमें धार्मिक तत्व यद्यपि उपस्थित थे, किंतु वर्चस्वशाली नहीं था। सिंधु सभ्यता में अनेक स्थलों से कपास के रेशों से निर्मित वस्त्र के साक्ष्य मिले हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि वहां के लोग इसका निर्माण करते थे।

79. निम्न स्थानों पर किस एक स्थान पर सिंधु घाटी सभ्यता से संबद्ध विख्यात वृषभ-मुद्रा प्राप्त हुई थी?

(a) हड़प्पा (b) चन्हूदड़ो
(c) लोथल (d) मोहनजोदड़ो

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2008

उत्तर–(d)

मोहनजोदड़ो से प्राप्त कूबड़ वाले बैल की आकृति युक्त मुहर की कलात्मकता की भूरि-भूरि प्रशंसा मार्शल महोदय ने की है। इसमें बैल के अंगों में उभार और शरीर के अनुपात में जो विशिष्टता दिखाई गई है, वह अपूर्व है।

80. सिंधु सभ्यता से प्राप्त मुहरों में कौन-से वृक्ष की आकृति मिलती है?

(a) आम (b) पीपल
(c) पारिजात (d) साल

M.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(b)

सिंधु सभ्यता काल में सर्वाधिक मुहरें सेलखड़ी की बनी हैं। इसके अतिरिक्त कांचली मिट्टी, चर्ट, गोमेद आदि से बनी मुहरें भी प्राप्त हुई हैं। अधिकांश मुहरें वर्गाकार या चौकोर हैं, किंतु कुछ मुहरें घनाकार, गोलाकार अथवा बेलनाकार भी हैं। सिंधु सभ्यता से प्राप्त मुहरों में पीपल वृक्ष की आकृति मिलती है।

81. निम्नलिखित में से किस पशु का अंकन हड़प्पा संस्कृति की मुहरों पर नहीं मिलता है?

(a) बैल (b) हाथी
(c) घोड़ा (d) भेड़

U.P.P.C.S.(Spl.) (Mains) 2009

उत्तर–(c)

सिंधु घाटी सभ्यता के कुछ स्थलों से घोड़े के मृण्मूर्ति, अस्थि, जबड़े आदि अवशेष प्राप्त हुए हैं, लेकिन उसका अंकन हड़प्पा की मुहरों पर नहीं मिलता है।

82. किस पशु के अवशेष सिंधु घाटी सभ्यता में प्राप्त नहीं हुए हैं?

(a) शेर (b) घोड़ा
(c) गाय (d) हाथी

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(a)

दिए गए विकल्पों में से गाय और हाथी के अवशेष तो सिंधु घाटी सभ्यता से प्राप्त हुए हैं, किंतु घोड़े के अवशेष सिंधु घाटी की सभ्यता से प्राप्त होने के संबंध में विद्वानों में मतभेद है। आधुनिक उत्खनन के निष्कर्षों के आधार पर अनेक प्रख्यात विद्वानों ने घोड़े के अवशेषों के सिंधु घाटी की सभ्यता से प्राप्त होने के अभिमत की पुष्टि की है। दूसरी ओर सिंधु घाटी के सभ्यता के उत्खनन से शेर के अवशेषों की प्राप्ति का उल्लेख नहीं प्राप्त होता है। अतः इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) अभीष्ट होगा।

83. आई.आई. टी., खड़गपुर के अध्ययन दल की रिपोर्ट के अनुसार, लगातार कितने वर्षों की न के बराबर वर्षा का होना सिंधु घाटी सभ्यता के पतन का कारण रहा था?

(a) 600 वर्ष (b) 700 वर्ष
(c) 800 वर्ष (d) 900 वर्ष
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

B.P.S.C. (Pre) 2018

उत्तर–(d)

वर्ष 2018 में आई.आई.टी., खड़गपुर के एक अध्ययन दल द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार लगातार 900 वर्षों तक पड़े सूखे के कारण सिंधु सभ्यता का पतन हो गया। ध्यातव्य है कि ऑरेल स्टीन जैसे विद्वानों ने भी हड़प्पा सभ्यता के पतन हेतु जलवायु परिवर्तन को प्रमुख कारण माना है।

84. मृण-पट्टिका पर उत्कीर्ण सींगयुक्त देवता की कृति प्राप्त हुई है–

(a) बनावली से (b) कालीबंगा से
(c) लोथल से (d) सुरकोटडा से

U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2008

उत्तर–(b)

कालीबंगा के मृण-पट्टिका पर एक ओर दोहरे सींग वाले देवता का अंकन है। इसके अतिरिक्त मोहनजोदड़ो से भी सींगयुक्त देवता का चित्र प्राप्त होता है।

Scanned with OKEN Scanner

85. निम्नलिखित में से कौन-सी सभ्यता नील नदी के तट पर पनपी?

(a) रोमन सभ्यता (b) सिंधु घाटी की सभ्यता

(c) यूनानी सभ्यता (d) मिस्र की सभ्यता

U.P.P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर–(d)

मिस्र की सभ्यता का विकास नील नदी की द्रोणी में हुआ। नील नदी विश्व की इस प्राचीन सभ्यता का आधार थी। मिस्र को नील नदी का वरदान/ उपहार कहा जाता है, क्योंकि इस नदी के अभाव में यह भू-भाग रेगिस्तान होता। मिस्र अफ्रीका महाद्वीप में स्थित है। इसकी समकालीन सभ्यताएं सिंधु घाटी सभ्यता (भारत) तथा मेसोपोटामिया की सभ्यता (इराक) थी।

86. निम्नलिखित सभ्यताओं का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम कौन-सा है?

(a) माया - एजटेक - मुइस्का - इंका

(b) माया - मुइस्का - इंका - एजटेक

(c) एजटेक - मुइस्का - माया - इंका

(d) एजटेक - माया - मुइस्का - इंका

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर–(d)

एजटेक सभ्यता का विस्तार मेसोअमेरिका के उत्तरी भाग पर था। मेसोअमेरिका के अंतर्गत मध्य से दक्षिणी मेक्सिको से लेकर बेलिज, ग्वाटेमाला, अल सल्वाडोर, होंडुरास, निकारागुआ तथा उत्तरी कोस्टारिका तक के क्षेत्र शामिल हैं। इस प्रकार एजटेक सभ्यता का विस्तार मध्य मेक्सिको में, माया सभ्यता का विस्तार मेसोअमेरिका के दक्षिणी भाग अर्थात दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला, उत्तरी बेलिज तथा अलसल्वाडोर एवं होंडुरास के पश्चिमी भाग तक था। इसके अलावा मुइस्का सभ्यता दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप के कोलम्बिया के पूर्वी भाग में विस्तृत थी, जबकि इंका सभ्यता का विस्तार दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी भाग में उत्तर में क्वीटो (Quito) से लेकर दक्षिण में सेंटियागो तक था। इस प्रकार स्पष्ट होता है कि प्रश्नानुसार दी गई सभ्यताओं का क्रम क्रमशः उत्तर से दक्षिण की ओर इस प्रकार है–एजटेक, माया, मुइस्का तथा इंका। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

87. लेखन कला की उचित प्रणाली विकसित करने वाली सर्वप्रथम प्राचीन सभ्यता थी–

(a) सिंधु (b) मिस्र

(c) सुमेरिया (d) चीन

R.A.S. / R.T.S. (Pre) 1992

उत्तर–(c)

सुमेरिया सभ्यता के लोग प्राचीन विश्व के प्रथम लिपि आविष्कारकर्ता थे। इनकी प्रारंभिक लिपि का स्वरूप अत्यंत सरल एवं आदिम था। सुमेरिया की क्यूनीफार्म लिपि को सामान्यतः प्राचीनतम लिपि माना जाता है।

Scanned with OKEN Scanner